एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत)
प्रश्न पत्र कूट संख्या –303 वर्ग अ (साहित्य)
प्रश्न–पत्र III – काव्य शास्त्र

पाठ्यक्रम – **पूर्णांक 75**

काव्य प्रकाश (प्रथम से षष्ठ उल्लास पर्यन्त)
काव्य शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का सामान्य –परिचय
समग्र पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पॉच इकाइयो में विभाजित किया गया है, इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –
प्रथम इकाई –काव्यप्रकाश , 1–2 उल्लास
द्वितीय इकाई – काव्यप्रकाश 3–4 उल्लास
तृतीय इकाई – काव्य प्रकाश 5–6 उल्लास
चतुर्थ इकाई – काव्य प्रकाश पर आधारित प्रश्न
पंचम इकाई – काव्य –शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का परिचय

प्रथम खण्ड –वस्तुनिष्ठात्मक भाग **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगें तथा समस्त इकाइयों में से समान भाव से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड – व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे ।इनमें से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित हैं । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है –

(क) काव्य प्रकाश के प्रथम एवं द्वितीय उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ख) काव्य प्रकाश के तृतीय एवं चतुर्थ उल्लासों मे से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ग) काव्य प्रकाश के पंचम एवं षष्ठ उल्लास में से किसी एक कारिका की **संस्कृत में** व्याख्या विकल्प सहित
पूछी जायेगी । **7 अंक**

(घ) इस प्रश्न के अन्तर्गत काव्य लक्षण, शब्द का संकेतीकरण चित्र काव्य विवेचन काव्य प्रकाश का महत्त्व ,
मम्मट का योगदान आदि प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे । काव्य प्रकाश का महत्त्व आदि प्रश्न पूछे
जायेंगे **7 अंक**

(ड.) काव्य –शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय ,रस–सम्प्रदाय, अलंकार–सम्प्रदाय रीति सम्प्रदाय,वक्रोक्ति–सम्प्रदाय ,
ध्वनि–सम्प्रदाय एवं औचित्य सम्प्रदाय पर आधारित प्रश्न विकल्प सहित पूछा जायेगा **7 अंक**

तृतीय खण्ड –निबंधात्मक भाग **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएंगे । इनमे से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दो मे देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित हैं ।

(1) उक्त खण्ड के अन्तर्गत प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**

काव्य प्रकाश में विवेचित विषय वस्तु –काव्यप्रयोजन , काव्य–हेतु,,काव्य –लक्षण , अभिधा लक्षणा, व्यंजना, ध्वनि का स्वरूप ,काव्य –भेद , ध्वनि –भेद ,गुणीभूतव्यंग्य, रस, गुण अंलकारादि ।

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधार स्वरूप होंगे– **15 अंक**
अलंकार सम्प्रदाय , रीति सम्प्रदाय , ध्वनि सम्प्रदाय , रस सम्प्रदाय , वक्रोक्ति सम्प्रदाय , औचित्य सम्प्रदाय।

सन्दर्भ ग्रन्थ

(1) काव्यप्रकाश – आचार्य मम्मट – वामनाचार्य झलकीकर
(2) भारतीय साहित्यशास्त्र – जी.टी. देशपाण्डे
(3) भारतीय साहित्यशास्त्र (भाग 1 –2) – पण्डित बलदेव उपाध्याय